

उत्तराखण्ड शासन  
औद्योगिक विकास अनुभाग-1  
संख्या: 2760 / VII-1 / 163-ख / 2010  
देहरादून : दिनांक: 3) दिसम्बर, 2010

कार्यालय ज्ञाप

जनपद पिथौरागढ़, तहसील डीडीहाट के ग्राम अगन्या मध्ये 4.565 एकड़ क्षेत्रफल में खनिज सोपस्टोन का 01 वर्ष की अवधि का प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस प्राप्त करने के लिए खनिज परिहार नियमावली, 1960 के प्राविधानों के अन्तर्गत आवेदक श्री कमलेश सिंह खड़ायत पुत्र श्री राम सिंह खड़ायत, निवासी ग्राम रियांसी, पोस्ट बड़डा, तहसील व जनपद पिथौरागढ़ ने दिनांक 18.03.2010 को जिलाधिकारी कार्यालय पिथौरागढ़ में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।


जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ ने अपने पत्र संख्या 1321/तीस-21 (2009-10) दिनांक 05 अगस्त, 2010 द्वारा अवगत कराया गया कि इस सम्बन्ध में स्थानीय स्तर पर उप जिलाधिकारी, डीडीहाट से जांच कराई गई। उप जिलाधिकारी, डीडीहाट की आख्या दिनांक 16.04.2010 के अनुसार नायब तहसीलदार, देवलथल द्वारा अवगत कराया गया है कि ग्राम सभा नखनौली एवं अगन्या विकास खण्ड कनालीछीना के कुछ व्यक्तियों द्वारा ग्राम सभा अगन्या के तोक घटीघाड ग्रामसभा नखनौली में सोपस्टोन खनन आपत्ति के सम्बन्ध में एक आम सूचना इश्तहार जारी किया गया, जिस पर लगभग 32 परिवारों की खनन कार्य स्वीकृत न किये जाने पर आपत्ति की गयी है। उपजिलाधिकारी, डीडीहाट की आख्या दिनांक 15.06.2010 के अनुसार ग्राम नखनौली में हल्लानी के आनर्स द्वारा खनन पट्टा हेतु आवेदन होना बताया गया है, जो बिना ग्रामवासियों के विश्वास में लिए जाना बताया गया है तथा पत्रावली स्वीकृत बावत ग्रामवासी नखनौली द्वारा वर्तमान में आपत्ति की जा रही है। खनन पट्टा स्वीकृत होने पर भूस्खलन की संभावना है तथा ग्राम में जलस्रोतों को क्षति होने की संभावना है, उनके द्वारा खड़िया खनन लीज पर रोक लगाये जाने की संस्तुति की गई है। आख्या दिनांक 31.07.2010 के अनुसार प्रभारी उप तहसील, देवलथल द्वारा प्रकरण में स्थलीय निरीक्षण ग्रामवासियों की उपस्थिति में किया गया। ग्राम पंचायत व ग्राम के काश्तकारों द्वारा अवगत कराया गया है कि उनके द्वारा खड़िया खनन हेतु किसी भी बाहरी व्यक्ति व पक्षकार को कभी निरापत्ति नहीं दी गई न उनके पक्ष में प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस स्वीकृत किये जाने बावत उनका पक्ष लिया है काश्तकारों द्वारा क्षेत्र से बाहर किसी भी व्यक्ति के पक्ष में खनन लाईसेंस का कभी समर्थन नहीं किया है और न किसी सहमति पत्र पर उनके द्वारा हस्ताक्षर करना पाया। श्री योगेश जोशी, श्री सुशान्त पन्त एवं श्री कमलेश खड़ायत द्वारा प्रस्तुत सोपस्टोन प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस के प्रार्थना पत्रों में काश्तकारान के अनापत्ति दस्तावेजों में काश्तकारान से व्यक्तिगत जानकारी लेने पर ग्राम पंचायत के किसी भी काश्तकार द्वारा अनापत्ति दस्तावेज उपरोक्त के पक्ष में नहीं दिया है। यदि उपरोक्त व्यक्तियों के पक्ष में प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस स्वीकृत किया गया तो काश्तकारों के क्षेत्र में रास्तों एवं पेयजल स्रोतों को खतरा हो सकता है। क्षेत्रवासी खड़िया खनन का पुरजोर विरोध करने पर उत्तारु हैं। प्रस्तावित भूमि ग्रामसभा नखनौली एवं अगन्या में खड़िया खनन हेतु प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस पात्रावली की जांच आख्या के सम्बन्ध में प्रकरण में आवेदनकर्ताओं के पक्ष में निरापत्ति सरासर गलत होने पाई गई आवेदनकर्ताओं के पक्ष में निरापत्ति सरासर गलत होने से निरस्त किये जाने की संस्तुति की गयी है। अतः जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ द्वारा उप जिलाधिकारी, डीडीहाट की आख्या के आधार पर श्री कमलेश सिंह खड़ायत द्वारा ग्राम अगन्या, तहसील डीडीहाट मध्ये 4.565 हैक्टेयर भूमि में सोपस्टोन के प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस 01 वर्ष की



अवधि के लिए चाहने हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र दिनांक 18 मार्च, 2010 को निरस्त करने की संस्तुति की गयी है।

आवेदक श्री कमलेश सिंह खड़ायत को खनिज परिहार नियमावली, 1960 के नियम-12(1) के अन्तर्गत शासन के पत्र संख्या: 2072/VII-1/163-ख/2010, दिनांक 02 नवम्बर, 2010 द्वारा दिनांक 16 नवम्बर, 2010 को अपराह्न 4.00 बजे सुनवाई में शासन के समक्ष अपना पक्ष रखने हेतु अवसर दिया गया। उक्त सुनवाई अपर सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन के कार्यालय कक्ष में निर्धारित की गयी, जिसमें आवेदक श्री कमलेश सिंह खड़ायत, श्री प्रभु नारायण सिंह, एडवोकेट, नायब तहसीलदार, श्री लक्ष्मण सिंह पिंगल प्रतिनिधि जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ तथा ज्येष्ठ खान अधिकारी, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून उपस्थित हुए। उक्त सुनवाई में अपर सचिव, औद्योगिक विकास विभाग द्वारा आवेदनकर्ता के अनुरोध पर प्रकरण के सम्बन्ध में सुनवाई की तिथि 14 दिसम्बर, 2010 निर्धारित की गयी। इस सम्बन्ध में शासन के पत्र संख्या 2693/VII-1/163-ख/2010, दिनांक 09 दिसम्बर, 2010 द्वारा दिनांक 14 दिसम्बर, 2010 को सुनवाई में शासन के समक्ष अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। उक्त सुनवाई में श्री दिनेश कुमार, खान अधिकारी, प्रतिनिधि जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ उपस्थित हुए तथा आवेदक/उनके प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए।


अतः जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ द्वारा उप जिलाधिकारी, डीडिहाट की आख्यानुसार भूस्वामियों एवं ग्रामवासियों की अनापत्ति आवेदक श्री कमलेश सिंह खड़ायत के पक्ष में न होने को दृष्टिगत रखते हुए उनके प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र दिनांक 18.03.2010 को एतद्वारा अस्वीकृत/निरस्त किया जाता है।

  
(एस0 राजू)  
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2760 (1)/VII-1/184-ख/2010, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ को उनके पत्र संख्या 1321/तीस-21(2009-10), दिनांक 05 अगस्त, 2010 के क्रम में।
2. ज्येष्ठ खान अधिकारी, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना एवं विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. श्री कमलेश सिंह खड़ायत पुत्र श्री राम सिंह खड़ायत, निवासी ग्राम रि यांसी, पोस्ट बड़डा, तहसील व जनपद पिथौरागढ़

आज्ञा से,  
  
(एस0 राजू)  
प्रमुख सचिव।